

मुख्य जनसंपर्क अधिकारी का कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया में अंतरराष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस 2025 मनाया गया

नई दिल्ली, 5 दिसंबर, 2025

डॉ. ज़ाकिर हुसैन मेमोरियल वेलफेयर सोसाइटी ने न्यू सोशियो-इकोनॉमिक रिसर्च एंड डेवलपमेंट फाउंडेशन (एनएसईआरडी), प्रोएक्टिव फाउंडेशन, ह्यूमन वेलफेयर फाउंडेशन और कैलिक्स इंटेरियो के साथ मिलकर 3 दिसंबर 2025 को जामिया मिल्लिया इस्लामिया के डॉ. एमए अंसारी ऑडिटोरियम में अंतरराष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस 2025 मनाया। इस कार्यक्रम का मकसद दिव्यांग व्यक्तियों के लिए एक्सेसिबिलिटी, एम्पावरमेंट और समान अवसरों को बढ़ावा देना था, जिसमें एकेडेमिक्स, पैरा-एथलीट्स, पॉलिसीमेकर्स, स्पेशल एजुकेटर्स, मीडिया प्रोफेशनल्स, पेरेंट्स और स्टूडेंट्स एक साथ आए।

कार्यक्रम की शुरुआत अहमद खान के द्वारा पवित्र कुरान के पाठ से हुई।

इस कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण मुख्य अतिथि, प्रो. मोहम्मद महताब आलम रिज़वी, रजिस्ट्रार, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, और डॉ. ज़ाकिर हुसैन मेमोरियल वेलफेयर सोसाइटी के वाइस-प्रेसिडेंट का 'सामूहिक ज़िम्मेदारी और समावेशी विकास की अपील' विषय पर दिया गया दमदार और सोचने पर मजबूर करने वाला भाषण था।

प्रो. रिज़वी ने जोर देकर कहा कि इंटरनेशनल डे ऑफ़ पर्सन्स विद डिसेबिलिटीज़ सिर्फ़ एक सालाना कार्यक्रम नहीं है, बल्कि यह एक बिना रुकावट वाला, हमदर्द और सबको साथ लेकर चलने वाला समाज बनाने की नैतिक, सामाजिक और संस्थागत ज़िम्मेदारी की याद दिलाता है। प्रो. रिज़वी ने बताया कि दिव्यांग बच्चों के लिए मौके बनाने में माता-पिता सबसे अहम भूमिका निभाते हैं। उनका अपने बच्चे की काबिलियत को अपनाना, सपोर्ट करना और उस पर भरोसा करना ही एम्पावरमेंट की नींव रखता है। प्रो. रिज़वी ने कहा कि इसके बाद एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन्स की भूमिका को इनक्लूजन के कैटलिस्ट के तौर पर बताया गया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि स्कूलों, यूनिवर्सिटीज़ और लर्निंग स्पेसेज़ को इनक्लूसिव प्रैक्टिस, एक्सेसिबल इंफ्रास्ट्रक्चर और डिसेबिलिटी-रिस्पॉन्सिव पॉलिसीज़ को अपनाना चाहिए ताकि यह पक्का हो सके कि हर लर्नर पूरी तरह और कॉन्फिडेंस के साथ हिस्सा ले सके।

आखिर में, समाज के मिलकर काम करने की अहमियत पर जोर देते हुए, प्रो. रिज़वी ने दर्शकों को याद दिलाया कि सबको शामिल करना किसी एक ग्रुप से नहीं हो सकता—इसके लिए शिक्षकों, पॉलिसी बनाने वालों, NGOs और समुदायों को मिलकर कोशिश करनी होगी। उन्होंने स्टेकहोल्डर्स से कहा कि वे दिखावटी कामों से आगे बढ़कर ऐसे टिकाऊ, लंबे समय तक चलने वाले कामों पर ध्यान दें जो दिव्यांग लोगों के लिए सम्मान, पहचान और मौके पक्का करें।

उन्होंने आगे कहा कि दिव्यांग लोगों में बहुत पोटेंशियल होता है और सही माहौल और हिम्मत मिलने पर वे किसी भी फील्ड में अच्छा कर सकते हैं। उन्होंने समाज से कहा कि वे दिव्यांगता पर नहीं, बल्कि काबिलियत पर ध्यान दें और कमियों के बजाय योगदान को सेलिब्रेट करें। उनके प्रेरणादायक शब्दों ने दर्शकों के दिलों को गहराई से छुआ और दिन भर के विचारों और समारोह के लिए माहौल तैयार किया।

प्रोफेसर मोहम्मद गाजी शाहनवाज़, महासचिव, और डॉ. ज़ाकिर हुसैन मेमोरियल वेलफेयर सोसाइटी के सेक्रेटरी डॉ. मोहम्मद फैजुल्लाह खान ने मुख्य अतिथि और खास लोगों का स्वागत किया। प्रो. शाहनवाज़ ने

अपने स्वागत भाषण में परिवारों, संस्थाओं और कम्युनिटी स्टेकहोल्डर्स की एक्टिव भूमिका के ज़रिये बाधा रहित समाज बनाने की अहमियत पर ज़ोर दिया।

समारोह में शामिल होने वाले विशिष्ट अतिथियों में: प्रो. नीलोफर अफ़ज़ल (डीन, स्टूडेंट्स वेलफ़ेयर, जेएमआई); श्री इमदाद हुसैन साबरी (स्पेशल एजुकेटर और यूनिफाइड फुटबॉल कोच, यूएसए); सुश्री परवीन खान (पूर्व डायरेक्टर, जामिया नर्सरी स्कूल); सुश्री शाहला निगार (वरिष्ठ पत्रकार और एंकर, डीडी न्यूज़) और डॉ. रमा श्रीवास्तव (वरिष्ठ मनोवैज्ञानिक और शोधकर्ता) शामिल थे।

सम्मान समारोह के हिस्से के तौर पर, उन जाने-माने अचीवर्स को सम्मानित किया गया जिन्होंने रुकावटों को तोड़ा है और अनगिनत लोगों को प्रेरित किया :

- सुश्री तस्लीम फातिमा, पैरा-एथलीट और अध्यक्ष, दिल्ली स्टेट व्हीलचेयर बास्केटबॉल एसोसिएशन
- श्री फैसल अशरफ नोमानी , हेलेन केलर अवार्डी और इन्क्लूजन प्रोफेशनल
- श्री मुन्ना खालिद, इंटरनेशनल पैरा बैडमिंटन प्लेयर, वर्ल्ड रैंक 9
- श्री इकबाल अहमद (भारतीय राजस्व सेवा -आईटी) सहायक आयुक्त

उनकी हिम्मत और पक्के इरादे की कहानियों ने ऑडियंस को इमोशनल कर दिया और एम्पावरमेंट के दिन के मैसेज को और मज़बूत किया।

इसके बाद टैलेंट और इन्क्लूजन दिखाने वाले कल्चरल परफॉर्मेंस हुए:

बच्चों और युवाओं ने कई शानदार परफॉर्मेंस दिए, जिनमें: जामिया तराना; जूनियर और सीनियर कैटेगरी के ग्रुप डांस; NSERD फाउंडेशन का कोलेबोरेटिव डांस; सोलो परफॉर्मेंस (गाना और डांस); मोबाइल एडिक्शन पर एक म्यूजिकल स्किट और सीनियर क्लास द्वारा इन्क्लूजन-थीम वाला एक दमदार फिनाले- शामिल थे ।

यह कार्यक्रम डॉ. मोहम्मद फैजुल्लाह खान के धन्यवाद ज्ञापन के साथ खत्म हुआ, जिन्होंने वाइस-चांसलर (इन-एब्सेंशिया), रजिस्ट्रार, खास मेहमानों, सहयोगियों, शिक्षकों, माता-पिता और वॉलंटियर्स का आभार व्यक्त किया। उन्होंने लगातार समावेश और समुदाय के उत्थान के प्रति सोसाइटी की प्रतिबद्धता को दोहराया।

इस इवेंट को NSERD के चेयरमैन श्री मोहम्मद कैफ, प्रोएक्टिव फाउंडेशन के डायरेक्टर श्री शिताब इलाही और CGC के श्री नसीम अहमद ने कोऑर्डिनेट किया, जबकि सुश्री फरहीन कमल ने बहुत अच्छे से कार्यक्रम को होस्ट किया।

कार्यक्रम का समापन साइन लैंग्वेज में राष्ट्रगान के साथ हुआ, जो एकता, सम्मान और सच्चे समावेशन का प्रतीक था।

प्रो. साइमा सईद
मुख्य जनसंपर्क अधिकारी